हिमाचल तनय

रागम्: आनन्दभैरवि ताळम्: आदि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

हिमाचल तनय ब्रोचुटकिदि
मञ्चि समयमु रावे अम्ब

अनुपल्लवि

कुमारजननि समानमेवरिलनु
मानवति श्री बृहन्नायकि

चरणम्

सरोजमुखि बिरान नीवु वरालोसगुमनि नेनु वेडिति
पुरारि हरि सुरेन्द्र नुत पुराणि परामुखमेलने तल्लि ॥ १ ॥

उमा हंसगमा तामसमा ब्रोव दिक्केवरु निक्कमुगनु
मा किपुडदभिमानमु चूप भारमा विनुमा दयतोनु ॥ २ ॥

सदानत वरदायकि निजदासुडनु श्यामकृष्णसोदरि
गदा मोरविनवा दुरितविदारिणि श्री बृहन्नायकि ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇